जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 43 संख्याः 356 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 22 जुलाई, 2022 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रू.

दुनिया के सबसे उम्रदराज नर जाएंट पांडा ''एन'' की हांगकांग के ओशन पार्क में गुरुवार को मौत हो गयी। पांडा के 35 साल इंसान के 105 साल के बराबर हैं। पार्क की ओर से जारी बयान में बताया गया कि, हालत पिछले कुछ सप्ताहों से नर पांडा एन की तबीयत लगातार खराब चल रही थी, उसने खाना पीना भी बहुत कम कर दिया था। चीन की सरकार ने सन् 1999 में एन और जिया जिया नाम का पांडा का एक जोड़ा हांगकांग को तोहफे में दिया था। जिया जिया नाम की मादा जाएंट पांडा की सन् 2016 में 38 साल की उम्र में मौत हो गई थी। ओशन पार्क अथॉरिटी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि, पांडा ने खाना छोड़ दिया था इसलिए उसे पानी और इलैक्ट्रोलाइट पेय पर्दार्थों पर रखा गया था। पांडा की देखभाल करने वालों ने बताया कि पांडा की क्रियाशीलता में काफी कमी आ गयी थी। पार्क के चेयरमैन पॉओलो पोंग ने कहा, ''एन के साथ हमने कई यादगार लम्हें गुजारे हैं, उसके साथ हमारी कई दिल को छू लेने वाली यादें हैं। उसकी समझदारी और खेलने की ललक को हम कभी नहीं भूल पाऐंगे।'' गौरतलब है कि यूं तो किसी सामान्य पांडा की उम्र 20 साल ही होती है, लेकिन यदि पाण्डा अच्छी व्यवस्था में किसी की निगरानी में रहते हैं तो काफी लंबा जीते हैं।

'तृणमूल कांग्रेस उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट नहीं करेगी'

ममता बनर्जी के भतीजे व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की इस घोषणा से विपक्ष स्तब्ध

- विपक्ष तृणमूल कांग्रेस के इस निर्णय को विश्वासघात व पीठ में छुरा भोंकने वाला काम बता रहा है, जिससे विपक्ष में भाजपा के खिलाफ एकता बनाने के प्रयास की हत्या हो गयी है।
- कुछ विपक्ष के नेता तो, अब यह सवाल भी उठा रहे हैं कि, विश्वासपूर्वक यह नहीं कहा जा सकता कि तृणमूल ने राष्ट्रपति चुनाव में किसको वोट डलवाये। क्योंकि, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का चयन हो जाने के बाद, उन्होंने प्रारंभ में तो, प्रतिक्रिया दिखायी थी, पर, बाद में चुप्पी साध ली थी और विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें शरद पवार भी शामिल हैं, के फोन कॉल उठाने भी बंद कर दिये थे।
- ममता के उपराष्ट्रपति के चुनाव में वोट नहीं करने के निर्णय से विपक्ष के नेताओं में इतनी कटुता है कि, ऐसी तीखी प्रतिक्रिया भी आ रही है कि, अब साफ हो गया है कि, विपक्ष की एकता में ममता बनर्जी की क्या भूमिका है, अब स्पष्ट हो गया है कि, वे सदा भितरघात करती हैं और उनका एक ही प्रयास होता है कि, कांग्रेस को मध्य में रखकर कोई विपक्ष की एकता का प्रयास न बन जाये।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता को लेकर तृणमूल काँग्रेस का दोहरापन एवं धोखेबाजी आज उस समय खुलकर सामने आ गये, जब पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव, अभिषेक बनर्जी, जो पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी के भतीजे हैं, यह घोषणा कर दी कि पार्टी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिये संयुक्त विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को वोट नहीं देगी।

इसके बजाय, पार्टी मतदान से अलग रहेगी।

दूसरी तरफ, ममता बनर्जी ने कोलकाता में अपनी पार्टी के समारोह में कहा कि वे अन्य पार्टियों के साथ मिलकर, केन्द्र में भाजपा के खिलाफ संघर्ष करेंगी। उन्होंने अपनी पार्टी के साथियों का आव्हान किया कि वे अन्य पार्टियों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश, बिहार, गोवा तथा देश में कहीं भी, भाजपा को हराने के लिये काम करें।

इस बात को भली भाँति जानते हुये, बंगाल से बाहर कहीं भी कम से कम एक सीट जीतने के लिये की गई तमाम तर कोशिशों के बावजूद, वे असफल रहीं हैं। गोवा, त्रिपुरा तथा असम के हाल ही में हुये राज्य स्तरीय चुनावों में, वे एक भी सीट नहीं जीत सकी हैं। गोवा विधानसभा चुनावों में उनके किसी भी उम्मीदवार को इतने वोट भी नहीं मिल सके कि वे अपनी जमानत जब्त होने से बचा पाते।

उपराष्ट्रपति चुनाव का बहिष्कार करने की तृणमूल की घोषणा ने विपक्षी दलों की एकता पर सीधा प्रहार किया हैं। विपक्ष का एक भी नेता ऐसा नहीं है जो तृणमूल कांग्रेस के इस रूख तथा विपक्षी एकता के सभी प्रयासों की पीठ में छुरा भौंकने से हैरान न रह गया हो।

जहाँ उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के समर्थन का प्रश्न है, इस सम्बन्ध में विपक्षी नेताओं की एक रिसॉर्ट-मीटिंग हुई थी। इस समय सर्कुलेट हो रही रिपोर्टों के अनुसार, कुछ समय पहले ही, ममता बनर्जी, असम के मुख्यमंत्री बिस्वा सरमा तथा पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ की दार्जलिंग में एक आकस्मिक मीटिंग हुई थी। मीटिंग की समाप्ति पर रवाना होने से पहले, इन शीर्ष नेताओं के बीच दोस्ताना बातचीत भी हुई थी।

इस मीटिंग के शीघ्र बाद ही, धनखड़ की उम्मीदवार की घोषणा हो गई थी। भाजपा का कहना है कि बंगाल के राज्यपाल जमीनी स्तर के कार्यकर्ता हैं तथा एक सामान्य किसान परिवार से हैं। वे किसानों के मुद्दों से भली भाँति परिचित हैं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि तृणमूल विधायकों ने राष्ट्रपति चुनाव में वोट किस तरह दिये थे। ममता बनर्जी राष्ट्रपति पद हेतु एन.डी.ए. की प्रत्याक्षी के नाम की घोषणा पर प्रारम्भिक प्रतिक्रियाएं देने के बाद, ने बिल्कुल चुप्पी साध ली थी और तो और, वे विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें शरद पवार भी शामिल हैं, के फोन-कॉल्स के लिये भी उपलब्ध नहीं थीं।

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव से टी.एम.सी. के अलग रहने की आज की घोषणा के बाद, विपक्षी एकता को लेकर उनकी भूमिका स्पष्ट हो गई है-यह भूमिका विपक्षी एकता को अन्दरूनी तौर से तोड़ने वाले की हैं।

यह अब स्पष्ट हो जायेगा कि वे भाजपा के खिलाफ एवं संगठित मोर्चा बनाने की विपक्ष की कोशिशों के लिये एक विवादस्पद नेता सिद्ध होंगी। उनकी कोशिश उन सारी कोशिशों को कमजोर रही है, जो कांग्रेस के इर्द-गिर्द संयुक्त मोर्चा बनाये जाने की दिशा में सम्मिलित रूप से की गई हैं।

''ई.डी. झूठ बोल रहा है'' कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने आरोप लगाया

ई.डी. के हवाले से कहा गया था कि, सोनिया गांधी की ''प्रार्थना'' (रिक्वैस्ट) पर पूछताछ दो घंटे बाद स्थगित की गयी

- जयराम रमेश के अनुसार सोनिया गांधी ने तो कहा था कि, वे देर रात तक सवाल-जवाब के लिये तैयार हैं तथा अगले दिन (शुक्रवार) को भी ई.डी. के समक्ष पूछताछ के लिये आने को तैयार हैं, क्योंकि, वे चाहती हैं कि, मसला जल्दी से जल्दी पूरा हो।
- जयराम रमेश के अनुसार ई.डी. ने उन्हें सोमवार को आने के लिये कहा, क्योंकि शुक्रवार को अफसर किसी अन्य कोर्ट केस में व्यस्त हैं।
- गुरूवार को पूछताछ, जयराम रमेश के अनुसार, इसलिये दो घंटे बाद जारी नहीं रखी गयी, क्योंकि ई.डी. से सम्बद्ध डॉक्टर केवल सुबह उपलब्ध होते हैं और सोनिया गांधी या किसी अन्य व्यक्ति से भी सवाल-जवाब के बाद ई.डी. के डॉक्टर द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण जरूरी होता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने नैशनल हैरल्ड अखबार से संबंधित कथित मनी लॉंडरिंग केस में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को दूसरे दौर की पूछताछ के लिए सोमवार को तलब किया है।

उनसे सहायक निदेशक स्तर के उसी जांच अधिकारी ने गुरुवार को करीब दो घंटे तक पूछताछ की जिन्होंने इस केस में उनके पुत्र राहुल गांधी से पूछताछ की थी। उनकी पुत्री प्रियंका गांधी उनके साथ आयी थीं और बाद में राहुल भी आ गए।

ई.डी. अधिकारियों ने दावा किया कि जब सोनिया गांधी ने अनुरोध किया कि वे अब भी कोविड-19 से रिकवर हो रही हैं तो आज की पूछताछ का क्रम समाप्त कर दिया गया। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ किंग्स वे कैंप पुलिस स्टेशन से बाहर आने के तुरन्त बाद कहा कि यह पूर्णतया झूठ और आधारहीन है और ई.डी. सूत्रों के हवाले से पी.टी.आई. ऐसा प्रचारित कर रही है।

दोपहर 12.20 बजे जब पूछताछ शुरु हुई तब उन्हें बताया गया कि भोजनावकाश दिया जाएगा तथा आगे की पूछताछ के लिए उन्हें वापस आना होगा। हालांकि दोपहर 2.20 बजे ई.डी. अधिकारियों ने उन्हें बताया कि वे लंच के लिए जा सकती है और उन्हें शायद अब सोमवार को आना होगा।

उन्होंने बताया कि सोनिया ने कहा कि वह वापस लौटने और रात्रि तक पूछताछ कर सामना करने को तैयार हैं और शुक्रवार को भी पूछताछ जारी रखवाना चाहती है क्योंकि वह इसे जल्द से जल्द समाप्त करवाने की इच्छुक हैं। जयराम ने इस झूठ के लिए कि पूछताछ उनके अनुरोध पर खत्म की गई, ई.डी. की भर्त्सना की।

उन्हें ई.डी. अधिकारियों ने सुबह कहा था कि डॉक्टर उपलब्ध है पर असल में उनके स्वास्थ्य की जांच के लिए डॉक्टर उपलब्ध नहीं था जैसा कि अनिवार्य भी है कि जिस व्यक्ति से पूछताछ होनी है उसके स्वास्थ्य की जांच की जाती है।

एक सवाल के जवाब में जयराम ने कहा कि, कांग्रेस अध्यक्ष के साथ पूछताछ के खिलाफ गुरुवार को शुरु किया गया प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहेगा तथा देश के हर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन होगा।

सोमवार से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र के अवरोध के बारे में उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुक्रवार को मूल्यवृद्धि और जी.डी.पी. वृद्धि पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खनन माफिया

- अरावली के खनन माफिया द्वारा हरियाणा के नूह में डी.एस.पी. सुरेन्द्र सिंह को कुचलकर मार डालने के मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट करेगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। सर्वोच्च न्यायालय गुरुवार को इस बात के लिए तैयार हो गया कि हरियाणा के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डी.एस.पी.) प्रकरण की जाँच कराई जाये। ज्ञातव्य है कि खनन माफ़िया ने दो दिन पहले नूह जिले की अरावली पहाड़ियों में उक्त डी.एस.पी. को मार डाला था।

डी.एस.पी. सुरेन्द्र सिंह, जो मंगलवार को गैर कानूनी पत्थर-खनन की जाँच कर रहे थे, ने तौरू के पास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हम जब वकील थे, पेड़ों के नीचे खड़े होते थे सुनवाइयों के बीच'

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमन्ना ने उन वकीलों पर कटाक्ष किया, जो वकीलों के चैम्बरों के आवंटन में अर्जेन्ट सुनवायी की मांग कर रहे थे

- ''400-500 वकीलों को अपना चैम्बर मिलने वाला है। क्या आप लोग इस प्रक्रिया को पटरी से उतारना चाहते हो।''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एन.वी. रमना के गुरूवार को सुप्रीम कोर्ट के उन वकीलों को लताड़ा, जो चैम्बर्स के आवंटन के अपने केस की अर्जेंट सुनवाई की मांग कर रहे थे। उन्होंने कहा, जब हम वकील थे तब पेड़ के नीचे खड़े रहते थे।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के वकीलों को खुद भाग्यशाली समझना चाहिए कि उन्हें चैम्बर मिलता है अन्य कही भी वकीलों के चैम्बर नहीं दिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को चैम्बर्स सी.जे.आई. द्वारा गठित कमेटी द्वारा आंवटित किए जाते हैं और आवंटन पर सी.जे.आई. की स्वीकृति आवश्यक है। सी.जे.आई. ने कहा, मैं सी.जे.आई. के रूप में बात नहीं कर रहा हूँ मैं वकीलों के कल्याण के लिए बात कर रहा हूँ। बहुत मुश्किल से कुछ हुआ है शानदार चैम्बर्स की उम्मीद मत कीजीए। चैम्बर मिलना ही बहुत बड़ी बात है।''

उन्होंने कहा जस्टिस बी.आर. गवई, सूर्यकांत और जे.के. माहेश्वरी की एलॉटमैंट कमेटी के आवंटियों की लिस्ट बनाने में बड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा, अब 400-500 लोगों को फायदा मिलेगा आज उसे रोकना चाहते हैं क्या? लेकिन अंतत: सी.जे.आई. अगले सप्ताह बैंच के समक्ष मामला रखने के लिए मान गए।

चैम्बर्स का आवंटन सुप्रीम कोर्ट लॉयर्स चैम्बर्स (एलॉटमैंट एण्ड ऑक्यूपैन्सी) एक्स टू एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड के आधार पर होता है, जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज हुई है।

ज्ञानवापी मस्जिद

- इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ ज्ञानवापी मस्जिद कमेटी की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर तक सुनवाई स्थगित की।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के एक आर्डर के खिलाफ ज्ञानवापी मस्जिद कमेटी की एक अपील पर सुनवाई अक्टूबर के पहले सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दी। इलाहबाद हाईकोर्ट ने स्थल के सर्वे के लिए एक कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति वापस रखने का आदेश दिया था।

जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा की एक बैंच ने कहा कि वह हिन्दू श्रद्धालुओं द्वारा दायर दीवानी दावे को कायम रखने के प्रति कमेटी आपत्तियों पर वाराणसी जिला जज के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पचहत्तर वर्षीय सोनिया गांधी समन करने पर ई.डी. के समक्ष उपस्थित हुईं पूछताछ के लिये

ई.डी. ने उनसे पूछने के लिये 50 सवालों की लिस्ट बना रखी थी तथा पांच अधिकारियों, जिनमें एक महिला अफसर भी शामिल है, ने उनसे 2 घंटे पूछताछ की

- अशोक गहलोत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि, ई.डी. के इस कृत्य में शालीनता का नितान्त अभाव है। अगर ई.डी. को सोनिया गांधी से कुछ स्पष्टीकरण चाहिए था, तो उनके घर जाकर प्राप्त किया जा सकता था। सोनिया गांधी को ई.डी. के कार्यालय में बुलाकर सवाल-जवाब करना शालीनता की दृष्टि से, कानून की दृष्टि से गलत है।
- संसद में मल्लिकार्जुन खड़गे के चैम्बर में डी.एम.के., सी.पी.एम., सी.पी.आई., आई.यू.एम.एल., नैशनल कॉन्फ्रैंस, टी.आर.एस., एम.डी.एम.के., एन.सी.पी., वी.सी.के., शिव सेना व आर.जे.डी. के नेताओं ने एकत्रित होकर, सोनिया गांधी के समर्थन में संयुक्त वक्तव्य जारी किया।
- भाजपा ने कांग्रेस के गांधी परिवार को बचाने के दुराग्रह की आलोचना की।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। जिस दिन 75 वर्षीय कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष उपस्थित हुई, देश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने केन्द्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर खुलकर हमला बोला। कांग्रेस ने इन दोनों पर असहिष्णु होने तथा निर्वाचित सरकारों को गिराने तथा राजनैतिक विरोधियों को परेशान करने के लिये केन्द्रीय एजेंसियों को राजनैतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के आरोप लगाये।

राष्ट्रपति पद के संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार यशवन्त सिन्हा ने एक ट्वीट में कहा, ''मैं राजनेताओं को अपमानित करने की ई.डी. की प्रवृत्ति की घोर निन्दा करता हूँ। अगर ई.डी. के अधिकारियों को सोनिया गांधी से पूछताछ करनी भी थी, तो उन्हें उनके (सोनिया) के आवास पर जाना चाहिये था।'' राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि वे सोनिया गांधी को सम्मन भेजने के ई.डी. के कृत्य की मर्त्सना करते हैं क्योंकि ऐसा करना न तो कानून के तहत अच्छा था, और न शालीनता के लिहाज से। उन्होंने कहा कि नैशनल हैरल्ड मामले में प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉंडरिंग एक्ट (ए.एम.एल.ए.) के तहत, कोई केस नहीं बन सका हैं।

गुरूवार सुबह, ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर मीडिया को सम्बोधित करते हुये, गहलाते ने कहा, ''अगर स्पष्टीकरण के लिये उनसे (सोनिया) पूछताछ करने की जरूरत भी थी, तो ई.डी. अधिकारियों को चाहिये था कि वे उनके आवास पर जाते तथा उनका बयान रिकॉर्ड कर लेते। इस काम को अंजाम देने का यह एक शिष्ट एवं मर्यादित तरीका होता। लेकिन, असली मंशा तो उन्हें परेशान करने का है, पूछताछ करने का नहीं।''

मुख्यमंत्री गहलोत ने आगे कहा कि दिल्ली पुलिस ने पार्टी मुख्यालय को ''छावनी'' बना दिया है तथा शान्तिपूर्ण कांग्रेस जनों को ''हमारे कार्यालय'' ने प्रवेश नही करने दिया जा रहा हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे कार्यकर्ता सरकार की गलत नीतियों का विरोध करने के लिये शान्तिपूर्ण भजन गा रहे हैं। यह तो सच्चाई है कि धरना और (विरोध) प्रदर्शन लोकतन्त्र के आभूषण हैं। लेकिन मोदी जी इस बात को नहीं समझते, क्योंकि वे देश में तानाशाही कायम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्मृति इरानी

- केन्द्रीय मंत्री स्मृति इरानी के परिवार को एक्साइज़ विभाग का नोटिस। आरोप है कि, परिवार गोवा के अपने सिली सोल्स कैफे एण्ड बार में फर्ज़ी लाइसैंस से शराब बेच रहा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 जुलाई। गोवा के असागाव गाँव के मोटा वाड्डो नामक स्थान पर 1200 वर्गमीटर परिसर में फैले ''सिली सोल्स कैफे एंड बार'', जो कथित रूप से केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के परिवार द्वारा चलाया जा रहा है, को कथित रूप से गैर कानूनी तरीके से शराब का लाइसेंस लेने के मामले में सोमवार को ''कारण बताओ'' नोटिस जारी कर दिया गया था।

एक्साइज कमिश्नर नारायण एम. गड ने शिकायतकर्ता ऐक्टिविस्ट एडवोकेट ऐअरीज़ रॉड्रिग्ज, जिन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)